

दिल्ली बम धमाका : यूपी से पांच डॉक्टर गिरफ्तार

डॉक्टर मॉइयूल की कुंडली खंगाल रही एजेंसियां, तीन चिकित्सकों का लखनऊ से सीधे जुड़ा है तार

राज्य ब्लूरो, लखनऊ



भाई-बहन समेत अन्य गिरफ्तार

अमृत विचार : दिल्ली के लाल किला में स्टेशन के पास कार धमाके का सीधा करनेवाल उत्तर प्रदेश से जुड़ रहा है। जांच एजेंसियों ने कहियां जोड़े हुए इस मामले में यूपी से पांच डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। जांच में आतंक का खोला गया 'डॉक्टर मॉइयूल' सामने आया। धमाके की मास्टरमाइंड डॉ. शाहीन भी लखनऊ में पकड़ी गई। उसके बाई डॉ. परवेज से जांच एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं। एजेंसियां अपनी टीमें लगाकर इस मॉइयूल की कुंडली खंगालने में जुटी हैं। इस मामले में यूपी से गिरफ्तार पांच में तीन का साथ करनेवाल लखनऊ से हैं। उनके करिबियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

देश के किसी भी कोने से आतंकी हमला हो। इसमें कई संगठन सिर्फ़, इंडियन मुजाहिदीन व पीएफआई शामिल हो। हर बार आतंकवाद का करनेवाल यूपी से जरूर जुड़ा है। इस बार कुछ अलंकार से उच्च शक्ति युवकों के नाम आतंकी कारस्तानी में

जम्मू-कश्मीर

पुलिस

की जांच

एजेंसियों

से मिले इन्हें

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

एजेंसियों

से

मिले

जांच

के बाद

तो क्या

यह

सिटी ब्रीफ

विवि में कार्यशाला
आयोजित हुई

कानपुर। छत्रपति शाहजी महाराज विश्वविद्यालय के यूआईई परिसर में रासायनिक अधियार्थियों के विभाग और ईडियन इंस्टिट्यूट ऑफ कैमिकल इंजीनियरिंग छात्र प्रकाश द्वारा दो दिवसीय प्रक्रिया-सिमुलेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रक्रिया-सिमुलेशन, प्लॉशिट नियामन और अधुनक मॉडलिंग तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है। कार्यशाला के मुख्य परिशक्ति आईआईटी कानपुर के रासायनिक अधियार्थियों के विभाग के प्रैवरी शोधार्थी उत्कर्ष त्रिपाती रहे।

भगत सिंह हाउस ने
बाजी मारी

कानपुर। छत्रपति शाहजी महाराज विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा इंटर-हाउस प्रतियोगिताओं के क्रम में सेमेरटर सत्र का अंतिम इंटर-प्लॉयलाइन कार्यक्रम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता बार और हॉटस के मध्य खेली गई। जिसमें 38 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ श्रवण कुमार यादव ने किया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच भगत सिंह हाउस और आजाद हाउस के मध्य खेला गया। जिसमें भगत सिंह हाउस ने तीन राउंड में से दो राउंड जीतकर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा किया।

महिलाओं को किया
जागरूक

कानपुर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा अनूपवूक्ष्र में महिलाओं की सुरक्षा पर जागरूकता के उद्देश्य से विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विभाग की प्रभारी डॉ. विनिता सिंह, डॉ. संधिमित्र शर्मा ने इन्हें शुभ्रत विद्यार्थियों के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न महिला हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी प्रदान की। जिससे उन्हें सुरक्षा सेवाओं तक असानी से पहुंचने में सहायता मिल सके। इसके पश्चात महिला सुरक्षा, अधिकारी और जागरूकता पर आधारित संवाद, प्रश्नपत्री और नुस्काहन नाटक प्रस्तुत किए गए।

न्यूज ब्रीफ

20 दंपति फिर हुए एक पुलिस ने कराई सुलह उन्नाव। एसपी जय प्रकाश सिंह के निर्देश पर रविवार को परिवार कल्याण केंद्र व थाना कोतवालीयों में आयोजित महिला हृतक ड्रेस में पारी-पनी के विवाहित जोड़ों को बुलाया गया। जाहां कारसंसरिंग के बाद 20 जोड़े विवाह शुल्कर परिसर साथ रहने को राजी हुए। जिसमें महिला थाना से छह, सोहरामऊ, औरास से तीन-तीन, अचलगंज, बारासगवर से दो-दो, बेहटा मुजाहिद, हसनगंज उपरु, गंगामाथ कोतवाली से एक-एक जोड़े को विवाह कर दिया गया। जाहां कारसंसरिंग के बाद 20 जोड़े विवाह शुल्कर परिसर साथ रहने को राजी हुए। जिसमें महिला थाना से छह, सोहरामऊ, औरास से तीन-तीन, अचलगंज, बारासगवर से दो-दो, बेहटा मुजाहिद, हसनगंज उपरु, गंगामाथ कोतवाली से एक-एक जोड़े को विवाह कर दिया गया। कारसंसरिंग में डा. आशीष श्रीवास्तव प्रभारी परिवार परामर्श केंद्र, महिला थाना की एसओ रेखा सिंह, मुख्य अरक्षी कल्याण कुमारी, अरक्षी अंका यादव, महिला लक्ष्मी सुहावन, अंशु तापी मौजूद रहे।

पेड़ कटवाने वाले पर दर्ज हुई रिपोर्ट

फेटेहुपर बारासी, अमृत विचार।

फेटेहुपर बारासी को अमृत विचार। रविवार को उन्नाव के मुख्य मार्ग पर पुलिस को देखी लकड़ी पहुंची। जाहां पुलिस को देखी की लकड़ी पहुंची। इस पर पेड़ की बाली बालकरम व मंजुरामान के ठेकेदार इक्सरन अली पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताते हैं कि जब पेड़ की काटी हो रही थी तभी 4 लोग वन अधिकारी बनकर पहुंचे थे। जिन्होंने ठेकेदार से बाहर उगाई भी की। एसओ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर मामले की पड़ताल की जा रही है।

पुरस्कार के लिए करें अन्नलाइन आवेदन

उन्नाव। जिला विद्यालय निरीक्षक सूची दर्तने ने जनपद के माध्यमिक विद्यालयों

के प्रबंधकों व प्रधानमान्यों को निर्देश दिए हैं कि राज्य अध्यापक पुरस्कार और मुख्यमंत्री अध्यापक प्रतीका बालुकरम व मंजुरामान के लिए इच्छुक शिक्षक 5 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए केवल राजकीय, असाकाशी सहायता प्राप्त एवं सरकारी विद्यालयों के शिक्षक पात्र होंगे, जबकि मुख्यमंत्री अध्यापक बालुकरम के लिए विविहान विद्यालयों के शिक्षक भी आवेदन कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों की जिते की समिति द्वारा जांच व स्थानीय सत्यापन किया जाएगा और प्राप्त आवेदनों की 5 से 15 दिसंबर के बीच मंडलीय समिति को भेजा जाएगा। मंडलीय समिति 10 से 25 दिसंबर के बीच वर्तमान आवेदनों को निरेशालय सरकार पर भेजकर करेंगे। 25 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक प्रस्ताव राज्यसंसदीय समिति को भेजे जाएंगे।

स्वास्थ्य मेले में 83 मरीजों का हुआ परीक्षण

मरीजों का आयोजित

शुक्लांगंज, अमृत विचार।

रविवार को उन्नाव के मुख्य मार्ग पर विकासी अधिकारी सत्यप्रकाश ने शुक्लांगंज क्षेत्र के पारी एचसी और ब्रह्म नगर अर्बन हेल्प सेंटर पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताते हैं कि जब पेड़ की काटी हो रही थी तभी 4 लोग बन गई हैं। बैक अने बाले ग्राहकों द्वारा रहते हैं जिससे आधी के बाहर सड़क पर ही बेतरतीब सड़क घिर जाती है। सुबह से शाम तक यहां से निकलना मुश्किल रहता है। बैक के बाहर खड़े वाहनों के कारण यहां हमेशा जाम लगा रहता है। दुकानदार निखिल ने

अवैध पार्किंग के चलते जाम के झाम में फंसते राहगीर

सुबह से शाम तक सदर बाजार और कचहरी पुल पर बने रहे जाम के हालात, सड़क किनारे बेतरतीब खड़े रहते हैं वाहन

हाल-ए-यातायात नाह

संवादादाता, उन्नाव

अमृत विचार।

शहर के मुख्य मार्ग और सदर बाजार में यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

पारिंग की व्यवस्था न होना और

सड़क क फुलायां पर किया गया।

अवैध कब्जा अंगीर समस्या

महिला थाना की एसओ रेखा सिंह, मुख्य अरक्षी कल्याण कुमारी, अरक्षी अंका यादव, महिला लक्ष्मी सुहावन, अंशु तापी मौजूद रहे।

सदर बाजार स्थित भारतीय स्टेट

बैक की मुख्य शाखा के बाहर की

वाहनों को सबसे बड़ा केंद्र

बन गई है। बैक अने बाले ग्राहकों

द्वारा रहते हैं जिससे आधी

के बाहर सड़क पर ही बेतरतीब

सड़क घिर जाती है। सुबह से शाम



कचहरी पुल पर लगा जाम।



सदर बाजार स्थित मुख्य मार्ग पर लगे जाम में फंसी एम्बुलेंस।

बताया कि जाम का दूसरा प्रमुख कारण मुख्य मार्ग व कुटायां पर

फैला अतिक्रमण है। सज्जी विक्रेता व अन्य छोटे दुकानदार बेड़ियांक

अपना सामान सड़क किनारे तक

फैलाकर बैठ जाते हैं। इससे वाहनों

को गुजरने के लिए जाह बहुत कम

बचती है इससे स्थिति और बिंगड़

जाती है। शुक्रवार को सुबह से

शाम तक जाम के हालात बने रहे।

जिससे बड़ा वाहनों की सामान

में फंसना पड़ा। कचहरी पुल पर भी

चार पहिया सवार अपनी गाड़ियां

खड़ी कर देते हैं। जिसके चलते इस

पारी देख लोगों को घंटों जाम में

फंसना पड़ा।

वाहनों पर जाम जाने के कारण

कारण आवागमन बाधित रहा और

दोपहिया वाहन सवारों को विशेष

दिक्कत हुई। क्षेत्रवासियों का कहना

है कि लागतार दो दिनों से पानी

भरा रहे से खड़ों में जाने वा

हर निकलने में दिक्कत आ रही है।

अर्बन हेल्प सेंटर में लापरवाही उजागर, रोका वेतन



अर्बन हेल्प सेंटर में व्यापारियों से जाम के बारे में जानकारी ली जा रही है।

हाईवे किनारे जली हालत में मिला शव

उन्नाव, अमृत विचार। बीचपुर

कोतवाली अंतर्गत उन्नाव-लालांगंज

हाईवे के किनारे एक व्यक्ति का बुरी

तरह जला शव पड़ा देख लोगों में

सनसनी फैल गई। सीओ व बीचपुर

पुलिस ने मौजूदे पर पहुंच कर जांच

की। लेकिन उसकी पहचान नहीं

हो सकी। घटना को लेकर लोगों में

हत्या के शब्द जला जाने की चर्चा

रही। लेकिन पुलिस ने सभी बिंदुओं

जांच किए जाने की बात कही है।

बीचपुर कोतवाली अंतर्गत

हेल्प सेंटर में लालांगंज विवाह कर दिया गया। जांच की चर्चा

हो गई। इंद्रेश सेंटर के कारण विवाह कर दिया गया। जांच की चर्चा

हो गई। इंद्रेश सेंटर के कारण विवाह कर दिया गया। जांच की चर्चा

हो गई। इंद्रेश सेंटर के कारण विवाह कर दिया गया। जांच की चर्चा

हो गई। इंद्रेश सेंटर के कारण विवाह कर दिया गया। जांच की चर्चा

हो गई। इंद्रेश सेंटर के कारण विवाह कर दिया गया। जांच की चर्चा

हो गई। इंद्रेश सेंटर के कारण विवाह कर दिया गया। जांच की चर्चा

हो गई। इंद्रेश सेंटर के कारण विवाह कर दिया गया। जांच की चर्चा

हो गई। इंद्रेश सेंटर के कारण विवाह कर दिया गया। जांच की चर्चा

हो गई। इंद्रेश सेंटर के कारण विवाह कर दिया गया। जांच की चर्चा

दुर्घटना नहीं चेतावनी

नौगांम थाने में हुआ हालिया विस्कोट आतंकी कार्रवाई न होने के बावजूद इसकी जड़ें अत्रिक्षय रूप से आतंकवाद से जुड़ी हैं। यह विस्कोट उन्हें सामग्रीयों में हुआ, जिन्हें आतंकीयों से बरामद किया गया था। साफ है आतंकवाद की छाया केवल घटना स्थल तक सीमित नहीं रहती। विस्कोट क अत्यंत संवेदी प्रकृति के होते हैं— थोड़ा सा भी हिलने डुलने, मामूली गर्मी, गलत मिश्रण अथवा पुरानी सामग्री की अधिरक्षणीयता विस्कोट के नमूने लेना मात्र तकनीकी नहीं, अत्यधिक जेंजिम भरा कार्य बन जाता है। स्वाधारिक सवाल है कि जब नमूना लेने की प्रक्रिया नियमानुसार चल रही थी, तो विस्कोट कैसे हुआ? या तो सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन पूरी कठोरते से नहीं हुआ या किंवित उपयोग किए गए उपकरण, सेफ सेक्यूरिटी या विस्कोट-नियन्त्रिक्यकरण प्रणाली में कहीं काई खाली थी। आतंकीयों नांदूलूल की पहचान के लिए नमूना-लेना और विश्लेषण आवश्यक है, क्योंकि अलग-अलग आतंकीयों की समूह अधिनमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ और राष्ट्रायनिक मिश्रण का उपयोग करते हैं। इनका विश्लेषण बताता है कि बरामद विस्कोट किस संगठन, किस प्रशिक्षक, किस सप्लाई चैन या किस सीमा-पार नेटवर्क से जुड़े हैं। इसके आधार पर ही सुरक्षा एजेंसियां मॉड्यूल का नक्शा तैयार करती हैं, उनकी पिछली घटनाओं से तुलना करती हैं और भविष्य की आशंकाओं का विश्लेषण करती है। अतः यह प्रक्रिया केवल सबूत इकट्ठा करने की नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर आतंकवाद-रोधक नीति का गहरा महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अधिकांश पुरास दस्तेनों का बुनियादी ढांचा सैन्य-स्तर के विस्कोटों और हाई-प्रेड आई-डी रखने के लिए सक्षम नहीं है। बरामद विस्कोट थानों के प्रतिसंरक्षण, साधारण कर्मयों का लालौर की अलमारी में रखना बहुत खराब नहीं है और ऐसी दुष्टानों को न्यौता देती है। संवेदनशील सामग्री के लिए अलग सुरक्षित भडारण, नियंत्रित तापमान, विस्कोट-रोधी कंटेनर, स्वचालित निगरानी और प्रशिक्षित स्टाफ आवश्यक है। कुछ राज्यों में यह व्यवस्था मौजूद है, परंतु अधिकांश अपी भी तकनीकी रूप से पिछले हुए हैं। नमूना-लेने के लिए विशेष सूट, रोबोटिक आर्म, रिमोट ऑपरेटर उपकरण, नियंत्रित विस्कोट क निपान चैवर, और उच्च प्रशिक्षित वम-विशेषज्ञों का अधार इस घटना को और गंभीर बनाता है। अद्वितीय यथा ने क्ष्यन्तरण करने के लिए विस्कोट हैलिंग के जरीए की जानी होती है। नौगांम की घटना संबंध है उत्करणों के पुनरुत्थाने होने, अप्रामाणित प्रशिक्षण या जल्दवाजी की वजह से हुई हो, यह तो जांच के बाद पता चलेगा, फिलावा मतदाताओं पर फोकस करेगी। पिछले चुनाव में भाजपा ने मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए ममता बनजी पर सीधा हमला बोला था। इसका खामियाजा पार्टी को भुगतान पड़ा था। तब कई बड़े नेताओं के बीच आपसी मनमुटाव भी भाजपा की हार का कारण बना था, लेकिन अब शीर्ष नेतृत्व ने पिछली गलतियों के नाम मतदाता सूची में शामिल है, उन्हें हटाया जाए। प्रत्येक बीएलए को एक-एक वोट की कीमत समझा दी गई है, इसलिए उनकी नजर एक एक मतदाताओं पर रहेगी। बता दिया गया है कि फर्जी मतदाताओं के नाम हटेंगे, तो निश्चित रूप से सबका सत्ता में भाजपा कविज होगी। विहार में मिली प्रवंधं जीत से भाजपा में स्थानीय नेताओं की सलाह को तो बज्जो देने की नीति पर चलने का मन बना लिया है। साथ ही इस बार ममता बनजी पर व्यक्तिगत कर्तव्य के बीच अंडैक और खुब हुई है, लेकिन परिणाम आने के बाद भाजपा के हाथ निराशा ही लगी है।

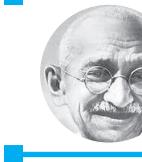
भाजपा की नजर बंगाल पर ही है, जहां ममता दीदी के शासन को उखाड़ फेंकने के लिए विशेष तो खबू हुई है, लेकिन परिणाम आने के बाद भाजपा के हाथ निराशा ही लगी है।

बामदलों का गढ़ रहे पश्चिम बंगाल की सत्ता में 2011 में ममता बनजी को बीएलए 184 सीटें मिली थीं। 2016 के विधानसभा चुनाव में भी उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने 211 सीटें जीतीं और ममता को पुनरुत्थाने के लिए एक अंडैक पर बोला जाए। इसका नियंत्रित जरूर हुई है, लेकिन उन्हें नियंत्रित नहीं होगा, बल्कि उनकी कामकाज पर ही सबाल उठाया जाए। यह भी जंगलराज को मुद्रदा बनाने की नीतैयारी है। नौगांम की घटना हमारी संस्थाओं की कुछ कमज़ोर कड़ियों को भी उड़ागर करता है। यह दुर्घटना चेतावनी है और इसे नज़रअंदाज करना अगली त्रासी को बुलावा देना होगा।

प्रो. विवेकानंद तिवारी अध्यक्ष, आबेंडकरपीट एचपीयू क्षितिज

पर नहीं, अपराधियों की चौपालों के चलता था, जब अस्तालों की जगह अपराधियों के कुनबे फलते थे, जब खूनों की जगह भय की दीवां खड़ी थीं और जब 'शाम' शब्द खतरे का पर्याय बन गया था। इस चुनाव में जनता ने उस इतिहास का हिसाब चुकाता कर दिया। इस निर्णयक जनादेश में बिहार की जेन-जी ने चेमतकार कर दिखाया। यह वह पीढ़ी है, जो जातीय खांचों में नहीं पनपी, न ही विस्सी भय-राज में पली। उसने गूगल की गति देखी है, दुनिया की दौड़ देखी है और अवसरों के महासागर को महसूस किया है। यह पीढ़ी जनती है कि गिरती बिजली-पानी और बढ़ावा अपराध सपनों का ताबू बन जाते हैं। इसलिए उसने जितागत नारों को दुकराकर विकास की भावना नहीं है, विपरीत की 'हम अवसर चाहते हैं, अराजकता नहीं।' यही कारण है कि भाजपा-एनडीए की जीत केवल एक गढ़वंधन की विजय नहीं, बल्कि जेन-जी की आकांक्षाओं की विजय है। यह उस युवा मतदाता की जीत है, जिसने पहली बार मतदान केंद्र में जाते हुए महसूस किया कि जब जवान परिषद के लिए हुआ था। यही कारण है कि जब विपक्ष की पिच पर आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हानी हो गयी।

विपक्ष हर बार यही गलती करता है। वो भारतीय मानस को सम्प्रकृति और परंपराओं की पिच पर आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हानी हो गयी। ये मोदी और बीजेपी की पसंदीदा चिप्च हैं। इसके द्वारा यही गलती है कि जब जातीय मानस को ललात करता है। यही कारण है कि विपक्ष को ललाते हैं। ये मोदी और बीजेपी की पसंदीदा चिप्च हैं। इसके



बृहदीमान लोग का करने से पहले सोचते हैं और मूर्ख लोग काम करने के बाद।
—महात्मा गांधी

माजपा की अब बंगाल फृतह की तैयारी



नवीन जाईवल
बरेली

एंटी इनकंकेसी के असर को बेअसर कर विहार के चुनाव में सफल हुई भाजपा की नजर अब ममता बनजी के गढ़ परिचयम बंगाल पर टिक गई है। पार्टी ने अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास नारे की स्थिति बहुत ही कमज़ोर है। भाजपा की कोशिश है कि पिछले चुनाव में हुई गलतियों को समय से सुधार कर ममता बनजी से सत्ता छीन ली जाए। इसके लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वसरमा का ज्यादा से ज्यादा कार्यक्रम वहां लगेगा। विहार में योगी आदित्यनाथ के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा जाएगा। हालांकि पिछले चुनाव में ममता के मुकाबले चेहरे की वोषांगा न होने का नुकसान भी भाजपा को हुआ था, लेकिन दावदारों को एकजूट रखने की रणनीति के तहत इस बार भी चेहरा चेहरा सिर्फ़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही होगे। सत्ता मिलने के बाद ही नेता का चुनाव किया जाएगा। स्थानीय नेताओं को इस बार जमीनी स्तर पर सक्रिय होने के लिए कहा गया है।

भाजपा की निगाह उन सीटों पर है, जहां 2021 के चुनाव में उसे कम अंतर से हार प्रियंका गांधी के बावजूद तकनीकी नारी आधार पर पहले चुनाव में जीत हो गई थी। आतंकीयों नांदूलूल की पहचान के लिए नमूना-लेना और विश्लेषण आवश्यक है, क्योंकि अलग-अलग आतंकीयों की समूह अधिनमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच आपसी भाजपा का उत्तराधार आवश्यक है। इनका विश्लेषण बताता है कि बरामद विस्कोट किस संगठन, किस प्रशिक्षक, किस सप्लाई चैन या किस सीमा-पार नेटवर्क से जुड़े हैं। इसके आधार पर ही सुरक्षा एजेंसियां मॉड्यूल का नक्शा तैयार करती हैं, उनकी पिछली घटनाओं से तुलना करती हैं और भविष्य की आशंकाओं का विश्लेषण करती है। अतः यह प्रक्रिया केवल सबूत इकट्ठा करने की नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर आतंकवाद-रोधक नीति का गहरा महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भाजपा की निगाह उन सीटों पर है, जहां 2021 के चुनाव में उसे कम अंतर से हार प्रियंका गांधी के बावजूद तकनीकी नारी आधार पर पहले चुनाव में जीत हो गई थी। आतंकीयों नांदूलूल की पहचान के लिए नमूना-लेना और विश्लेषण आवश्यक है, क्योंकि अलग-अलग आतंकीयों की समूह अधिनमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच आपसी भाजपा का उत्तराधार आवश्यक है। इनका विश्लेषण बताता है कि बरामद विस्कोट किस संगठन, किस प्रशिक्षक, किस सप्लाई चैन या किस सीमा-पार नेटवर्क से जुड़े हैं। इसके आधार पर ही सुरक्षा एजेंसियां मॉड्यूल का नक्शा तैयार करती हैं, उनकी पिछली घटनाओं से तुलना करती हैं और भविष्य की आशंकाओं का विश्लेषण करती है। अतः यह प्रक्रिया केवल सबूत इकट्ठा करने की नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर आतंकवाद-रोधक नीति का गहरा महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भाजपा की निगाह उन सीटों पर है, जहां 2021 के चुनाव में उसे कम अंतर से हार प्रियंका गांधी के बावजूद तकनीकी नारी आधार पर पहले चुनाव में जीत हो गई थी। आतंकीयों नांदूलूल की पहचान के लिए नमूना-लेना और विश्लेषण आवश्यक है, क्योंकि अलग-अलग आतंकीयों की समूह अधिनमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच आपसी भाजपा का उत्तराधार आवश्यक है। इनका विश्लेषण बताता है कि बरामद विस्कोट किस संगठन, किस प्रशिक्षक, किस सप्लाई चैन या किस सीमा-पार नेटवर्क से जुड़े हैं। इसके आधार

जर्मनी की प्रतिष्ठित स्पोर्ट्स कार निर्माता कंपनी Porsche ने भारतीय बाजार में अपनी नई पीढ़ी की कार Porsche 992.2 911 Turbo S को आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इस हाई-परफॉर्मेंस सुपरकार की एक्स-शोरूम कीमत 3.8 करोड़ रुपये तय की है। खास बात यह है कि यह अब तक पेश की गई सभी 911 रोड-लीगल मॉडलों में सबसे अधिक पावर वाली कार है। भारत में इसे फिलहाल स्टैंडर्ड कूपे वर्जन में ही उतारा गया है और ग्राहक Porsche की एक्सक्लूसिव मैनुफैक्चर पर्सनलाइजेशन स्कीम के तहत अपने वाहन को अपनी पसंद के अनुसार कस्टमाइज़ भी कर सकते हैं। कंपनी अगले वर्ष से भारत में इस मॉडल की डिलीवरी शुरू करने जा रही है।

पोर्शे 911 Turbo S

स्पीड, स्टाइल और टेक्नोलॉजी का संगम

ਦਮਦਾਰ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਇੰਜਨ

नई 911 Turbo S का सबसे बड़ा आकर्षण इसका इंजन है। कंपनी ने इसमें GTS मॉडल जैसा 3.6-लीटर फ्लैट-सिक्स टर्बोचार्ज हाइब्रिड इंजन दिया है, जिसे एक अतिरिक्त ई-टर्बोचार्जर का सहयोग मिलता है। इस कॉम्बिनेशन की बैदूलत कार 711 बीएचपी की जबरदस्त पावर और 800 एनएम का टॉर्क उत्पन्न करती है, जो इसके पिछले मॉडल की तुलना में 60 बीएचपी अधिक है। अपनी क्लास में यह पावर आउटपुट इसे और भी खास बनाता है। इंजन की पूरी क्षमता को नियंत्रित और संतुलित रखने के लिए Porsche ने इसमें ऑल-क्लील ड्राइव सिस्टम दिया है। इसके साथ जोड़ा गया 8-स्पीड PDK डुअल-क्लच ऑटोमैटिक गियरबॉक्स इसकी परफॉर्मेंस को और स्मूँद व फास्ट बनाता है।

- नई पीढ़ी की Turbo S का डिजाइन और और डायनामिक है। Turbo इंजन का पहला दरवाज़ों के पीछे व्हील आर्च पर एयर वेंट, बनाता है।
 - पिछली तरफ छोटा स्पॉइलर
 - आगे/पीछे 420 मिमी/410 मिमी कार्बन ब्रेक
 - टाइटेनियम मफलर वाला हल्का स्पोर्ट्स एंड
 - 21-इंच के सेट्रल-नट लॉकिंग व्हील

एकिटव एयर डिप्यूजर

- बिल्कुल नया काबिन आर आधुनिक कम्फर्ट फीचर्स
 - नई Porsche 911 Turbo S परफॉर्मेंस, डिजाइन और तकनीक तीनों मोर्चों पर अपने आप को इस सेगमेंट में और भी मजबूत साबित करती है।



ਬੇਹਤਰ ਪਾਰਫਾਰਮੈਂਸ

कंपनी के अनुसार कार मात्र 2.5 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इसी तरह 0 से 200 किमी/घंटा की स्पीड तक पहुंचने में इसे केवल 8.4 सेकंड का समय लगता है। इसकी अधिकतम गति 322 किमी प्रति घंटा बताई गई है, जो इस सेगमेंट की स्पोर्ट्स कारों में इसे बेहद प्रतिस्पर्धी बनाती है। इसके परफॉर्मेंस का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि नूरबार्गिंग नॉर्डशिलफ जैसे विश्व-प्रसिद्ध और चुनौतीपूर्ण रेस ट्रैक पर इस कार ने 7:03.92 मिनट का रिकॉर्ड समय दर्ज किया है। Turbo मॉडल की पहचान के रूप में इसके पिछले ढ्वील आर्च के पास, दरवाजों के पीछे दिए गए एयर वेंट इसकी परफॉर्मेंस वंशावली को दर्शाते हैं।



ਫੀਲਿੱਸ ਅਲਾਇਨ ਮੈਟ ਔਰ ਬੈਲੋਸਿੰਗ ਮੇਂ ਦੇਈ ਪੜ ਸਕਤੀ ਹੈ ਭਾਰੀ

कब करानी
चाहिए व्हील
अलाइनमेंट
जैसे ऐप्पि

अलाइनमेंट और बैलेंसिंग के नुकसान
अलाइनमेंट और बैलेंसिंग में देरी करने पर कई तरह के नुकसान सामने आ सकते हैं। सबसे बड़ा नुकसान टायर की उम्र घटने के रूप में देखने को मिलता है। असमान घिसावट के कारण टायर अपेक्षा से पहले खराब हो जाते हैं, जिससे कार मालिक को अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। इसके अलावा, खराब अलाइनमेंट की वजह से इंजन पर अधिक दबाव पड़ता है और माइलेज कम हो सकता है। बैलेंसिंग खराब होने पर कार डगमगाने लगती है, जो सेप्टी के लिहाज से खतरनाक है।

खर्च—लागत की बात करें तो व्हील अलाइनमेंट और बैलेसिंग दोनों सेवाएं बेहद किफायती हैं। बाजार में व्हील अलाइनमेंट का खर्च सामान्यतः 300 से 800 रुपये, जबकि व्हील बैलेसिंग 300 से 600 रुपये तक होता है। यह मामूली खर्च आपको भविष्य में होने वाले महंगे रिपियर से बचा सकता है। ऑटो विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि समय पर व्हील अलाइनमेंट और बैलेसिंग कराना किसी भी कार की देखभाल का बेहद जरूरी हिस्सा है। यह न केवल वाहन के प्रदर्शन और सुरक्षा को बेहतर बनाता है, बल्कि टायर और सस्पेंशन की लाइफ भी बढ़ाता है। इसलिए कार मालिकों को इस महत्वपूर्ण मेटेनेंस को

सर्दी में बार-बार बंद हो रही स्कूटी, अपनाएं यह टिप्प्स



सदा जेस-जेस बढ़ता है, वेस-वेस स्कूटा या बाइक स्टार्ट करने का परेशानी भी बढ़ जाती है। सुबह इंजन बार-बार बंद होना, सेल्प से स्टार्ट न होना या पेट्रोल जल्दी खत्म होना। ये समस्याएं लगभग हर टू-हीलर मालिक की दिनचर्या बन जाती हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि ठंड का मौसम इंजन के प्रदर्शन पर गहरा असर डालता है। ऐसे में गाड़ी की सही देखभाल बेहद जरूरी हो जाती है। यहां जानिए उनकी सलाह में खास टिप्प्स -

- **ठंड में स्कूटी स्टार्ट न होने की असली वजह- सर्दी के मौसम में इंजन ऑयल गाढ़ा हो जाता है। इससे इंजन के भीतर धूण बढ़ता है और गाड़ी स्टार्ट होने में ज्यादा समय लेती है। कई बार कार्बोरेटर में पेट्रोल ठीक तरह वापिष्ठ नहीं होता, जिससे इंजन पेट्रोल को जला नहीं पाता और बार-बार बंद हो जाता है। इसके साथ ही बैटरी पर ठंड का खास असर पड़ता है। यदि स्कूटी कुछ दिनों तक न चलाई जाए, तो बैटरी का चार्ज कम हो जाता है और सेल्फ स्टार्ट काम नहीं करता।**
 - **इंजन आयल का जाव बहुत ज़रूरी- हर 1500–2000 किलोमीटर के बाद इंजन ऑयल की जांच जरूर करें और जरुरत पड़ने पर बदलवा लें। अगर ऑयल का रंग काला दिखने लगे या बहुत गाढ़ा महसूस हो, तो देर करना सही नहीं। सर्दी में पुराना इंजन ऑयल स्कूटी स्टार्ट होने की समस्या और बढ़ा देता है।**
 - **टैंक में पेट्रोल कम रखने की गलती न करें- अक्सर लोग ठंड में स्कूटी में बहुत कम पेट्रोल रखते हैं, जिससे प्यूथूल लाइन में हवा भर जाती है। इससे स्टार्टाईंग में दिक्कत होती है। टैंक में हमेशा कम से कम 1 लीटर पेट्रोल जरूर रखें। साथ ही स्कूटी को लंबे समय तक बिना चलाए खड़ा न रहने दें, वरना इंजन के पार्ट्स जाम होने लगते हैं।**
 - **चोक का सही उपयोग- कई लोग स्कूटी स्टार्ट करने के लिए चोक को लंबे समय तक आँून रखते हैं, लेकिन यह इंजन के लिए नुकसानदायक है। चोक का इस्तेमाल सिर्फ 30 सेकंड के लिए किया जाना चाहिए, उसके बाद तुरंत बंद कर देना चाहिए, ताकि अतिरिक्त पेट्रोल कार्बोरेटर में जमा न हो।**
 - **बैटरी और अन्य देखभाल- सर्दी में बैटरी जल्दी कमजोर हो जाती है। इसलिए हप्ते में 2-3 बार स्कूटी को स्टार्ट करके थोड़ी दूरी चलाना जरूरी है।**
 - **इसके अलावा, एयर फिल्टर को हर महीने साफ कराएं, ब्रेक और क्लच वायर की ग्रीसिंग कराते रहें और रात में प्यूथूल वाल्व बंद करना न भूलें।**
 - **सर्दी के मौसम में थोड़ी-सी सावधानी और नियमित देखभाल स्कूटी को बिना किसी परेशानी के तुरंत स्टार्ट करने में मदद करती है। सही रखरखाव अपनाकर ठंड में भी स्कूटी आराम से चलती रहती है।**

મોંયા ફાસ્ટ રાફ્ટ

एक भूल जो बन गई सबक

बचपन में जब भी परिवार के साथ बस में सफर करना होता था, मेरी आंखें हमेशा ड्राइवर की हर हरकत पर टिकी रहती थीं। बाकी बच्चे खिड़की से बाहर झांकते थे, लेकिन मेरा ध्यान इसी बात पर रहता था कि ड्राइवर दो पैरों से तीन पैदल करते सम्बलता है, गियर कब बदलता है और इन्हें बड़े बाहन कर कैसे बिना लड्हखड़ाए चलता है। एक सवाल तो हमेशा मेरे मन को छेड़ता था कि ड्राइवर की सीट बीच में क्यों नहीं होती? अगर होती, तो वह दोनों तरफ बराबर देख सकता। बचपन की इन छोटी-छोटी जिज्ञासाओं ने मुझे गाड़ियों को समझने की एक अजीब-सी उत्सुकता दे दी थी।

इसी बजह से मैं धर पर अकसर ड्राइविंग की नकल किया करती। मुँह से बस के इंजन की आवाजें निकालते हुए, गियर बदलने का अभिनय करते हुए। तब लगता था कि मैं सिर्फ खेल रही हूँ, पर आज समझ आता है कि यहाँ 'खेल' मुझे असल स्टेरियिंग तक ले जाने वाला था। पहली बार कार चलाने का मौका मुझे अचानक ही मिला। एक परिवर्तित ने कहा—“तुम चाहो तो थाड़ी देर कार चला लो।” मैं थोक भी गई और खुश भी हुई। ड्राइविंग सीट पर बैठते ही दिल की धड़कन थाड़ी तेज हो गई। बगल वाली सीट पर मेरे बड़े भैया बैठ गए और मैंने मन ही मन सारी ड्राइविंग टिप्स दोहराली। धीरे चलाना है, घबराना नहीं है, एकसीलेटर हल्का दबाना है।

मैंने गाड़ी धीरे-धीरे आगे बढ़ाई। रास्ते में दो पैदल थे, जिनके बीच से कार निकालनी थी। मैं ध्यान से स्टेरियिंग माड़ रखी थीं, तभी दिमाग में पुराना सवाल जाग गया, हम तो आगे देखकर गाड़ी निकालते हैं, एर पीछे का हिस्सा अपने आप कैसे सुरक्षित निकल जाता है? कार रोककर उतरने का मन हुआ और मैंने सचमुच उतरकर देखा। कुछ देर सोचने के बाद समझ आया कि अपली कंपा तो गार्ड ने पिंपर करना तै है। गार्ड यामादारकूप मेंगा 200-प्रतिष्ठापन शेरों 200 बत्त गया।



यह लाटकर युज्ज्वल कार का दापार से बिल्लुल सिटारक पाक करन का प्रयास आया । वार-वार कार आगे बढ़ाई और दीवार के करीब रोक दी । मुझे खुद पर बड़ा गर्व महसूस हो रहा था । तभी अचानक कार जोर से आगे उछली और धक्क से दीवार से टकरा गई । मैं घबरा गई, हाथ-पैर कांपने लगे, समझ ही नहीं आया कि क्या हो गया ।

कुछ देर बाद समझ आया- गलती मेरी ही थी । स्कूटर चलाने की आदत में मैंने ब्रेक दबाने की जगह वही पैडल दबाया, जहां स्कूटर में ब्रेक होती है, लेकिन कार में उसी जगह एकसीलेटर होता है । गाड़ी ठीक करवाई, मन भी संभाला और एक बात हमेशा के लिए सीख ली कि ड्राइविंग सिर्फ देखने से नहीं आती, उसके लिए अभ्यास जरूरी है । अब भी तय नहीं कर पाती कि वह अनभव सखद था या दखद । लेकिन इतना जरूर कह सकती है कि उसी दिन मैंने गाड़ी

